एज्राः परमेश्वर के लोगो को पुनः जागृत करता है।

कलीसिया में पुनः जागृति और स्वयं का बदलाव पवित्रात्मा

व बच्चों को सिखाते हैं पढ़ें, अध्ययन आर 2 ब

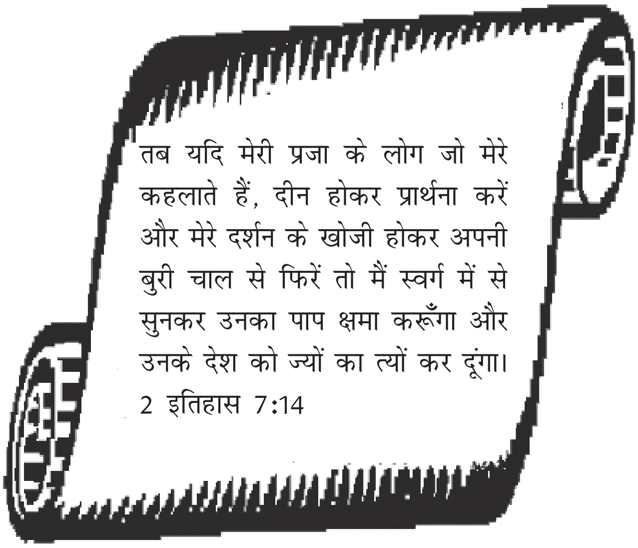

1. एज्रा के समान, अपने हृदयों और मन को परमेश्वर के लिए तैयार करें।

परमेश्वर से सहायता माँगिये जिससे विश्वासियों की अगुवाई कर सकें एक नये जीवन के लिये जिसे पवित्रात्मा दिन प्रतिदिन पुनः जागृत करे।

- अपने जीवन में पवित्रात्मा की जीवन बदलने वाली शक्ति के लिए प्रार्थना करे और विश्वासियों के जीवनके लिये भी।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर उन चीज़ों को आपको दर्शाये जो परमेश्वर की पुनः जागृत शक्ति को बाधा डालती है। उन चीज़ों का अंगीकार करें।

एज्रा पुरोहित और उसके सह–कर्मी सबसे पहले इस्राएल के लोगों को अगुवाई करें एक ऐसे देश ले चलने की जिसका नवीनीकरण हुआ हो तथा जीवन भर रहने वाला हो। प्रभु यीशु मसीह के पैदा होने से 400 वर्ष पहले। परमेश्वर के लोग अभी भी पुराने नियम के अनुसार सख्त कानूनों के अन्दर जीवन व्यतीत कर रहे थे। उनके बहुत से पापों में से एक था, मूर्तिपूजा करने वालों से विवाह करना।

खोजें की एज्रा और दूसरे लोगों ने क्या किया पढ़े **एज्रा 9:1–10:6**

- एज्रा 9:3–4 में ढूंढे एज्रा उन पापों के विषय में क्या दुःख दिखाना चाहता था।
- एज्रा 9:5–7 और 13–15 में ढूंढे एज्रा की प्रार्थना पापों को मान लेने के प्रति कितनी दयनीय थी।
- एज्रा 10:1 में ढूँढे लोगों ने अपना दुःख कैसे प्रकट किया।
- एज्रा 10:2–3 में ढूँढे शकन्याह ने लोगों को क्या करने की सलाह दी।

कहानी निरन्तर आगे **नहेम्याह 8:1–9:3** में बढ़ती है।

परमेश्वर के लोग बहुत से शहरों से आकर प्रार्थना के लिये इकट्ठे होते थे।

- नहेम्याह 8:1–3 में ढूंढे लोग परमेश्वर के वचन के प्रति किस प्रकार आदर रखते थे।
- नहेम्याह 8:5–6 में ढूंढे अराधक, आराधना में किन तीन प्रकार से अपने शरीर का प्रयोग करते थे।
- केवल अकेले एज्रा ही ने नहीं शिक्षा दी। नहेम्याह 8:7–8 में ढूंढेः दूसरे शिक्षको ने भी क्या शिक्षा दी।

- नहेम्याह 8:9 में ढूंढे जब लोगों ने सुना तो उन्होंने क्या किया।
- नहेम्याह 9:1-3 में ढूंढे: लोगो ने किस बात का पश्चाताप किया।

नया नियम भी हमें नवीनीकरण के विषय में बताता है।

- यहून्ना 3:16 हमारे जीवन में नये जीवन का आरम्भ किस प्रकार होता है।
- 2 कुरिन्थियों 5:17 हर एक विश्वासी के जीवन में परमेश्वर कौन सी चीज़े नई कर देता है।
- 1 यहून्ना 1:8-10 परमेश्वर के सम्मुख शुद्ध होने के लिये हमें अपने पापों का क्या करना चाहिये।
- 1 पतरस 2:1-3 दो बाते हमें आवश्य करनी चाहिये।
- रोमियो 12:1-2 दो बाते हमें आवश्य करनी चाहिये।

याद कीजिय भजनसंहिता 51:9-10 दाऊद की पाप-क्षमा के लिये प्रार्थना।

2. अपने सहकर्मियों के साथ मिलकर सप्ताह के भीतर अपने स्वयं तथा अन्य विश्वासियों के लिए कार्यक्रम बनायें

- योजना बनायें कि दूसरी कलीसियाओं को भी अपनी कलीसिया में बुलायें जिस प्रकार इस्राएली लोग करते थे। योजना बनायें कि सब इकट्ठे मिलकर अराधना करें, पापों का अंगीकार करें और परमेश्वर के नवीनीकरण का आनन्द उठायें।
- जाइये विश्वासियों से मिलिये जिनका विश्वास ठण्डा हो गया है और उनकी सहायता करे प्रभु यीशु ने पुन: नवीनता को ग्रहण करें पवित्रात्मा की सामर्थ से।

मैंने बहुत पाप किये हैं। प्रभु यीशु को ग्रहण करने के बाद भी परमेश्वर मुझे पुन: नया नहीं करवाया।

आप इस रोती हुई स्त्री से क्या कहेंगे?

3. अपने सह कर्मियों के साथ मिलकर आराधना को सुनियोजित ढंग से चलाने की योजना बनायें।

किसी जन को तैयार करें कि एज्रा की कहानी को पढ़ें। वे ऐसा नाटक द्वारा या स्मरण करके भी कर सकते हैं।

अध्याय 8 और 9 में भाग 1 के अनुसार एज्रा के विषय में प्रश्न पूछें।

प्रत्येक जन को आमन्त्रित करें प्रार्थना के लिये और अपने 2 पापो को अंगीकार के लिये। उन्हें बतायें कि परमेश्वर के सम्मुख चुपचाप अपने गुप्त पापों को जो व्यभिचार से सम्बन्धित हैं, अंगीकार करें।

उन्हें समझाएँ कि पुन: नया होने के लिये क्या करना चाहिये। परमेश्वर के लोग, एज्रा के सम्मान एक समूह को तैयार करें उनकी अगुवाई द्वारा

- परमेश्वर के वचन को ध्यान पूर्वक सुनें और आज्ञापालन करें
- पवित्रात्माा की सहायता से अपने पापों का परमेश्वर के सम्मुख अंगीकार करें।
- एक दूसरे के साथ और परमेश्वर के साथ एक गम्भीर वाचा बांधिये, कि प्रति दिन के पापों को मानेंगे/अंगीकार करेंगे जिससे प्रभु यीशु का पुन: नवीनीकरण प्रति दिन प्राप्त कर सकें।

विश्वासियों से कहें कि परमेश्वर से एक गम्भीर रुप से वाचा बाँधिये जिससे परमेश्वर का पुनः नवीनीकरण प्राप्त हो सके।

- वाचा क्या है, तर्क करें - एक बहुत ही गम्भीर प्रतिज्ञा जिसे हर जन को करनी है।
- विश्वासियों से कहें कि एक दूसरे से और परमेश्वर से प्रतिज्ञा करें कि हम भी वही कर सके जो एज्रा और इस्राएलियों ने किया था।
- प्रतिज्ञा करे कि अपने पापों को प्रतिदिन मानें और पवित्रात्मा चाहे तो हमारे हृदयों को बदल दें।
- प्रत्येक जन की सहायता करे 2 कुरिन्थियों 4:16 याद करने में इसलिये हम हियाव नहीं छोड़ते, यद्यपि हमारा बाहरी मनुष्यत्व नष्ट होता जाता है, तोभी हमारा भीतरी मनुष्यत्व दिन प्रतिदिन नया होता जाता है।

बच्चों के शिक्षक से कहें कि नाटक द्वारा अथवा कहानी को सुनाकर यह बतायें कि राजा येशिय्याह ने पुराने इस्राएल में नवीनीकरण किस प्रकार लाया।

प्रभु भोज को आरम्भ करने के लिये, एज्रा 6:19-21 को संक्षेप में पढ़कर बतायें कि क्या हुआ। समझाएं।

- उन्होंने फसल के पर्व को खाकर मनाया। आज भी, प्रभु यीशु हमारा फसल का मेमना है।
- याजक सर्वप्रथम विधिनुसार नहाये। आज भी हम अपने पापों को अंगीकार करके अपने आप को धोते हैं।

लोगो ने अपने आप को अपने पड़ोसियों की उन बुराईयों व कार्यों से जो वे अपने पावन देवताओं के लिये करते थे दूर किया, जिससे फसल के पर्व का भोज सामर्थ पूर्वक खा सकें। आज भी, हम प्रभु की मेज़ पर से खाते हैं सामर्थ पूर्वक एक दूसरे के प्रति प्रेम दर्शाकर।